मैनुअल–4

कृत्यों के निर्वहन के लिए स्वयं द्वारा स्थापित मापमान

उत्तराखण्ड कैम्पा के लक्ष्य एवं उदद्वेश्य

प्राधिकरण द्वारा निम्नलिखित की वृद्वि का प्रयास किया जायेगाः अर्थात्–

(क) वर्तमान प्राकृतिक वनों का संरक्षण, सुरक्षा पुनरोत्पादन तथा प्रबन्धः

(ख) वन्यजीवों तथा रक्षित वन क्षेत्रों, जिसमें रक्षित क्षेत्रों की सुदृढता भी सम्मिलित है, के भीतर तथा बाहार उनके प्राकृतावास का संरक्षण, सुरक्षा तथा प्रबन्धन,

(ग) क्षतिपूरक वनीकरण

(घ) पर्यावरण सेवायें, जिसमें निम्नलिखित शामिल है :–
(एक) काष्ठ, अकाष्ठ वनोपज, जलाऊ लकडी चारा तथा जल जैसी सामग्री और लब्धतचारागाह, पर्यटन, वन्य जीव संरक्षण एवं जीवन रक्षक जैसी सेवायें उपलब्धताः
(दो) जलवायु नियंत्रण, रोग नियंत्रण, बाढ़ संतुलन, विषहरण, कार्बन संचय एवं स्वस्थ मृदा, वायु और जल की व्यवस्थाः

(तीन) पारिस्थितिक प्रणालियों, आध्यात्मिक, मनोरंजन, सौन्दर्यपरक, प्रेरणात्मक, शैक्षिक और प्रतीकवाद से प्राप्त अभौतिक फायदेः

(चार) पारिस्थितिक सेवाओं, जैवविधित, पुष्टिकर चक्र तथा प्रारम्भिक उत्पादन जैसी अन्य सेवाओं के लिए आवश्यक समर्थनः

(ड) अनुसन्धान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण।

उत्तराखण्ड कैम्पा के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य शामिल होंगेः अर्थात् :–

(क) वन संरक्षण अधिनियम, 1990 के तहत् गैर वानिकी कार्यो के लिए वन भूमि के परिवर्तन के ऐवल में प्रतिपूरक वनीकरण हेतु वित्त पोषण एवं निगरानी कर बढावा देना।

(ख) कार्यक्रम के अधीन वित्त पोषण वनो, वन्य जीव संरक्षण और संरक्षण कार्यो की देखरेख :

(ग) संरखित क्षेत्रों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए प्राप्त धन के संबंध में एक अलग खाते को बनाए रखनाः

(घ) कार्यक्रम के लिए पारदर्शिता की संरचना, जन समर्थन जुटाना तथा जंगलों, झीलों, नदियों और वन्य जीवन को उनके प्राकृतिक पर्यावरण सहित सुरक्षा और सुधार के लिए युवाओं और छात्रों के स्वैच्छिक आन्दोलन को बढावा देनाः

(ड़) निधि की दो प्रतिशत तक की धनराशि इसी आशय से अलग रखते हुये परिमाणयुक्त मूल्यांकन, अनुश्रवण (मॉनीटरिंग) प्रणाली तथा कुशल निष्पादन सुनिश्चित करना।